**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 289**

**18 दिसंबर, 2017 को उत्तर के लिए**

**सेल/आरआईएनएल पुनरुद्धार**

**289. श्री महेश गिरी:**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) तथा भारतीय स्टील प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) के पुनरुद्धार हेतु जुलाई 2017 में समिति गठित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा समिति ने क्या सिफारिशें की हैं;

(ग) यदि नहीं, तो समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट कब तक सौंपे जाने की संभावना है; और

(घ) क्या आरआईएनएल और सेल घाटे में चल रहे हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**इस्पात राज्य मंत्री** **(श्री विष्णु देव साय)**

(क) से (ग): जी हाँ। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) और भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) के पुनरुद्धार के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा पीएसयू के सदस्यों और तकनीकी विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया है। विशेषज्ञों ने सेल और आरआईएनएल के कार्य-निष्पादन में सुधार करने के लिए तकनीकी-आर्थिक पैरामीटरों, विपणन एवं ब्रांडिंग, उपस्कर रख-रखाव, उत्पाद मिश्रण और कच्चे माल प्रबंधन में सुधार आदि जैसे विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं को कवर करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

(घ): जी हाँ। ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

(करोड़ रुपये में)

| **वर्ष** | **कर पश्चात् लाभ(+)/हानि(-) (पीएटी)** | |
|---|---|---|
| | **सेल** | **आरआईएनएल** |
| 2014-15 | 2093 | 62.38 |
| 2015-16 | (-) 4021 | (-) 1420.64 |
| 2016-17 | (-) 2833 | (-) 1263.16 |

सेल और आरआईएनएल दोनों के घाटे का मुख्य कारण बाजार की प्रतिकूल स्थिति, इस्पात उत्पादों की बिक्री से कम शुद्ध प्राप्ति, आयातित तथा स्वदेशी कोयले की बढ़ती कीमत और वैश्विक इस्पात उद्योग में मंदी आदि हैं।

दोनों कंपनियों ने उत्पादन लागत को कम करने के लिए ब्लास्ट फर्नेस में बीएफ कोक की खपत को कम करने, नई सुविधाओं से उत्पादन में वृद्धि, उत्पाद मिश्रण के संवर्द्धन और विद्युत एवं जल खपत में खास कटौती आदि विभिन्न उपाए किए हैं।

*****